हिन्दी; विश्व में भाषा भाषियों की दृष्टि से प्रथम एवं सबसे लोकप्रिय भाषा– शोध रिपोर्ट 2015

HINDI is Numero Uno in terms of Number of speakers & popularity- Research Report 2015

डॉ जयन्ती प्रसाद नौटियाल
उप महा प्रबंधक
कार्पोरेशन बैंक, कार्पोरेट कार्यालय
मंगलूर – 575 001 (कर्नाटक राज्य)
वेबसाईट: www.drjpnautiyal.com
ई–मेल: dr.nautiyaljp@gmail.com
jpn@ corpbank.co.in

Dr Jayanti Prasad Nautiyal
Deputy General Manager
Corporation Bank, Corporate Office
Mangalore - 575 001, Karnataka
Website: www.drjpnautiyal.com
E-mail: dr.nautiyaljp@gmail.com
jpn@ corpbank.co.in

प्रस्तावना :

विश्व स्तर पर हिन्दी की स्थिति के बारे में मेरा यह शोध 1981 में शुरु हुआ था और सन् 1997 में इसकी शोध रिपोर्ट भारत सरकार राजभाषा विभाग की पत्रिका "राजभाषा भारती" में **"हिन्दी एक अन्तर्राष्ट्रीय भाषा है"** नामक शीर्षक से प्रकाशित हुई। इस प्रकाशन के उपरान्त सन् 2005 में इसकी विस्तृत रिपोर्ट विश्व भर में अनेक समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में प्रकाशित हुई, जिसका सम्पूर्ण विश्व में स्वागत हुआ व साथ ही सराहना हुई एवं इस शोध को मान्यता प्राप्त हुई। विश्व के अधिकांश विद्वानों व भाषाविदों ने इस तथ्य को स्वीकार कर लिया कि **विश्व में हिन्दी जानने वाले सर्वाधिक हैं** तथा मंदारिन दूसरे स्थान पर है। यह शोधकार्य भारत सरकार के प्रतिलिप्याधिकार पंजीयक (Registrar of copyright, Govt. of India) के पास पंजीयन क्रमांक L-26910/2006 पर मेरे नाम से पंजीकृत है।

मेरे शोध के संबंध में कुछ प्रतिक्रियाएँ:

विश्व में इन्टरनैट आदि जैसे माध्यमों से इस शोध के प्रकाशित होने पर विश्व समुदाय के अनेक विद्वानों ने इसे सराहा तथा इसकी प्रामाणिकता एवं सत्यता को स्वीकारा, लेकिन चीन के एक पोर्टल पर इस शोध पर विश्व समुदाय से अभिमत माँगे गए। इस पोर्टल पर मैंने निरंतर निगरानी रखी ताकि कोई प्रतिकूल टिप्पणी या कोई स्पष्टीकरण माँगा जाए तो मैं उसका समुचित उत्तर दे सकूँ, लेकिन इस पोर्टल पर किसी भी विद्वान ने इस तथ्य को नकारा नहीं बल्कि आश्चर्य व्यक्त किया कि हिन्दी इतनी व्यापक व लोक प्रिय है, यह उन्हें पहली बार इस शोध से मालूम हुआ।

भारत और लंदन के कुछ विद्वानों ने हिन्दी और उर्दू को समान भाषा मानने पर आपत्ति जताई लेकिन मैंने उन्हें बताया कि शब्दावली एवं वाक्य रचना तथा व्याकरण इन दोनों ही भाषाओं का समान है, यह अलग भाषा नहीं बल्कि हिन्दी का हिन्दुस्तानी स्वरूप है। अतः इसे एक

Preamble :

My linguistic research on the status of Hindi on an international arena which had commenced in 1981 was published in "Rajbhasha Bharathi" (A Govt. of India publication) in the year 1997 titled **"Hindi - An international language"** after which its detailed report was published in various newspapers and magazines world over which not only found universal acceptance but also won appreciation & recognition from noted linguists and Intellectuals all over the world who in turn accepted that number of people conversant with **Hindi the world over is much more than the number of people conversant** with Mandarin and that Mandarin should be relegated to the second position. This research work has been copyrighted in my name under Govt. of India, Registrar of copyright bearing No. L-26910/2006.

My Research - Some Responses:

Many noted linguists world wide registered their appreciation when this research study was published through various mediums like internet etc. To know the opinions from world community, in China a portal was dedicated solely for posting responses /comments to this research study. I had personally monitored this portal so that sufficient explanation can be made available if any negative comments/responses are posted but not only did the linguists express their surprise that Hindi is the preferred language of the masses but also accepted the authenticity and veracity of my research study. I would like to underline here that not a single negative comment was posted in the portal.

Few linguists in India and London raised objection over the treatment of Hindi and Urdu as one language. I have laid all objections and clarifications to rest by proving my point using similarities in linguistic and grammatical structure which highlights the fact that Urdu is the Hindustani version

ही भाषा के अंतर्गत माना जाएगा। भाषा वैज्ञानिक नियमों के अनुसार भी विश्व भर में यही भाषाओं के वर्गीकरण का सिद्धांत है।

अब तक प्रस्तुत शोध रिपोर्टों का सार :

हिन्दी विश्व में सबसे अधिक बोली व समझी जाती है तथा यह विश्व की सबसे लोक प्रिय भाषा है, यह मैंने अपनी शोध में सिद्ध किया है। इस शोध को समय-समय पर अद्यतन किया जाता रहा है ताकि हर दो तीन साल के कालखण्ड में भाषा गत परिदृश्य में आए परिवर्तनों को रेखांकित किया जा सके। अब तक प्रकाशित हुई शोध रिपोर्टों का सार निम्नवत है :

(आँकड़े मिलियन में)

शोध रिपोर्ट का वर्ष	विश्व में हिन्दी जानने वाले	विश्व में चीनी जानने वाले	अंतर
शोध रिपोर्ट 1997	800	730	+70
शोध रिपोर्ट 2005	1022	900	+122
शोध रिपोर्ट 2007	1023	920	+103
शोध रिपोर्ट 2009	1100	967	+133
शोध रिपोर्ट 2012	1200	1050	+150
शोध रिपोर्ट 2015	1300	1100	+200

स्रोत: डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल द्वारा किया गया शोध अध्ययन सन् 2015 (अनुमानित आँकड़े)

यह शोध रिपोर्टें इस बात का अकाट्य प्रमाण हैं कि हिन्दी जानने वालों की संख्या विश्व में सबसे अधिक हैं तथा यह निरंतर बढ़ती जा रही है। इससे यह सिद्ध होता है कि हिन्दी विश्व की सबसे लोक प्रिय भाषा है।

हिन्दी ; विश्व की सबसे लोकप्रिय भाषा :

'हिन्दी विश्व में सबसे लोकप्रिय भाषा है' – यह तथ्य भी निर्विवाद रूप से सिद्ध हो चुका है। इस तथ्य को अब अधिकांश विद्वान स्वीकार करने लगे हैं। इसका एक प्रमाण यह भी है कि भारत के प्रधान मंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी ने संयुक्त राष्ट्र संघ सहित विश्व के अनेक देशों में अपना व्याख्यान हिन्दी में ही दिया, यह व्याख्यान सम्पूर्ण विश्व में लोगों ने बड़े चाव से सुना व समझा। आदरणीय मोदी जी के सम्मान में इन कार्यक्रमों को भी हिन्दी में ही प्रसारित किया गया था। हिन्दी भाषा की लोकप्रियता और उसका प्रभा मंडल केवल भारत या भारत के पड़ोसी देशों तक ही सीमित नहीं है बल्कि सुदूर कैरेबियाई राष्ट्रों तक फैला है। मारीशस, फीजी, गुयाना, सूरीनम, ट्रिनिडाड और टोबेगो जैसे देशों में यह राजभाषा के रूप में प्रतिष्ठित है। इतना ही नहीं बल्कि इंडोनेशिया, अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, अफ्रीका और खाड़ी के देशों में हिन्दी बहुत लोकप्रिय है। विश्व की 18% जनता हिन्दी जानती है। इसलिए अनेक देश अपने प्रिंट मीडिया और इलैक्ट्रानिक मीडिया में हिन्दी को स्थान दे रहे हैं। इतना ही नहीं भारतीय फिल्में और टी.वी चैनलों के कार्यक्रम भी विश्व के कई देशों में चाव से देखे जाते हैं।

सार्वभौमीकरण और हिन्दी :

नब्बे के दशक के उपरान्त जब उदारीकरण व सार्वभौमीकरण अर्थात लिबरलाइज़ेशन एवं ग्लोबेलाइज़ेशन का दौर भारत में चला तब ज्यादातर विचारकों का मत था कि ग्लोबेलाइज़ेशन से भारत के आर्थिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य में आमूचूल परिवर्तन हो जाएगा।

of Hindi. This principle is adopted for linguistic classification world over.

Summary of research reports submitted till now:

I have been able to prove conclusively through my research that Hindi is not only the most spoken language globally but the most preferred language too. This research is updated regularly to incorporate the changes in the linguistic scenario. The summary of the research reports published till date is illustrated here-below:

(Figures in Millions)

Year of Research	Hindi Knowing People in the world	Mandarin Knowing People in the world	Variation
Research Report 1997	800	730	+70
Research Report 2005	1022	900	+122
Research Report 2007	1023	920	+103
Research Report 2009	1100	967	+133
Research Report 2012	1200	1050	+150
Research Report 2015	1300	1100	+200

Source: Research study by Dr Jayanti Prasad Nautiyal (year 2015) (Approx)

These research reports are irrefutable proof that the number of people conversant with Hindi in the global arena is the highest and is consistently increasing on a regular basis, which further underlines the fact that Hindi is the most favoured language the world over.

Hindi is world's most favoured language:

It is an irrefutable fact that 'in the global arena Hindi is the most favoured language'. This has found acceptance with a majority of linguists. Another aspect which backs this theory is the fact that our Hon'ble Prime Minister Mr Narendra Modi addressed many countries and the UN in Hindi. People around the globe listened to this address avidly. Point to be noted is that this programme was globally broadcasted in Hindi as a mark of respect for Mr Modi. The aura and magic of Hindi is not limited just to India or its neighbouring states but is spreading towards distant Caribbean nations. In Mauritius, Fiji, Guyana, Suriname, Trinidad and Tobago, it also enjoys the status of Official Language in these countries. Moreover Hindi is a popular language in Indonesia, America, Britain, Australia, Africa and Gulf countries. 18% of the total world population is conversant with Hindi therefore Hindi finds place in print and electronic media in many nations. Indian Films and Television channels enjoy wide viewership among nations worldwide.

Globalisation and Hindi:

Post nineties when liberalisation and globalisation was the buzz word in India, majority of intellectuals opined that globalisation would make sweeping changes in India's cultural heritage. Foreign Capitalisation would slowly make

आर्थिक दृष्टि से विदेशी पूँजीवाद फिर से शुरु हो जाएगा तथा हमारा सांस्कृतिक ताना-बाना ध्वस्त होकर पूरी तरह विदेशी संस्कृति हम पर हावी हो जाएगी व हमारी भारतीय भाषाएँ तथा विशेषतः हिन्दी विलुप्त प्रायः हो जाएगी। हिन्दी व भारतीय भाषाओं का स्थान अंग्रेजी ले लेगी। परन्तु यह हर्ष का विषय है कि ऐसा कुछ नहीं हुआ जैसा कि पूर्वानुमान लगाया जा रहा था। यह सत्य सिद्ध नहीं हुआ.....!

ऐसा ही चिंतन उस दौर में भी आया था जब भारत में कम्प्यूटरों का आगमन हुआ था। अर्थात् 1980 के दशक से यह चिंतन चलने लगा था और लोगों को यही भय सता रहा था, परन्तु भारत में भाषा प्रौद्योगिकी ने काफी विकास किया है तथा आज हम; सब काम हिन्दी में व क्षेत्रीय भाषाओं में करने में सक्षम हैं। सोशियल मीड़िया में भी हिन्दी काफी तेज़ी से आगे बढ़ रही है।

अंग्रेजी परस्त मानसिकता व यथार्थ :

यह जानकर दुख होता है कि आधुनिकता के इस दौर में भारतीय जन मानस को कुछ नफासत पसंद और अंग्रेजी मानसिकता के लोग यह कह कर भ्रमित कर रहे हैं कि अब बिना अंग्रेजी जाने भारतीयों का कोई भविष्य नहीं है। यह नितांत हास्यास्पद है तथा यथार्थ इसके विपरीत है। इस दौर में हिन्दी भाषा का इतना विकास हुआ कि स्टार चैनल के रूर्पट मार्डोक को अपने स्टार कार्यक्रमों की टी आर पी बढ़ाने के लिए हिन्दी में लाना पड़ा। हिन्दी का वर्चस्व निरंतर बढ़ता ही जा रहा है तथा आज वह उस मुकाम पर पहुँच गई है जहाँ उसकी लोक प्रियता और ग्राह्यता को कोई अन्य भाषा चुनौती नहीं दे सकती है। हिन्दी आज विश्व में मनोरंजन की दुनिया में सबसे आगे है। यही कारण है कि सोनी, जी टी वी, डिस्कवरी चैनल, विदेशी 'कार्टून कार्यक्रम' भी भारत में व हमारे पड़ोसी देशों में हिन्दी में प्रसारित होने लगे हैं।

भारत की सांस्कृतिक विरासत और हिन्दी :

भारत की सांस्कृतिक विरासत इतनी व्यापक है कि विश्व में इसकी तुलना किसी अन्य सभ्यता और संस्कृति से नहीं की जा सकती है। आपको मालूम ही होगा कि भारतीय वेद अर्थात ऋग्वेद को अंतर्राष्ट्रीय ख्याति एवं विश्व थाती (धरोहर) का दर्जा तो पहले ही मिल चुका था। अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 175 देशों के समर्थन से संयुक्त राष्ट्र संघ ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता दी है। 10 जनवरी संसार के कई देशों में विश्व हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत और हिन्दी दोनों का वर्चस्व विश्व स्तर पर दिनों दिन बढ़ता ही जा रहा है। यह हमारे लिए गर्व का विषय है।

हिन्दी की लोकप्रियता: आर्थिक एवं राजनैतिक प्रभाव:

हिन्दी संख्या बल की दृष्टि से विश्व में सबसे अधिक है परन्तु संयुक्त राष्ट्र संघ की अधिकृत भाषाओं में इसको स्थान नहीं मिल पाया है। इसका प्रमुख कारण यह है कि आर्थिक शक्ति और राजनैतिक शक्ति हिन्दी से प्रत्यक्षतः नहीं जुड़ी थी, जब कि भारत में परोक्ष रूप में हिन्दी ही राजनैतिक शक्ति व आर्थिक शक्ति का आधार पहले से ही रही है। आज स्थितियाँ बेहतर हो गई हैं। हिन्दी के पास प्रत्यक्षतः राजनैतिक शक्ति भी है और आर्थिक शक्ति भी .....!!

its presence known in the economic scenario and western culture would destroy the very soul of our cultural heritage and would totally enslave our cultural history. Indian languages especially Hindi would face the threat of extinction and English would wipe out these languages..... but happily such grave predictions did not come true.....!

In the 1980s which was the era of computerization too, such fears were abound. In India language technology has progressed immensely and we can very easily work in Hindi or in any of the regional languages on computers. Hindi is the new buzz word in social networking sites.

Pro English Advocacy.... Real Truth:

It is indeed distressing to note that in this modern era certain pro English fanatics are trying to inculcate and spread the message that there is no future without English by equating sophistication and progress with English.. this is nothing but a farce. Mr Rupert Murdoch of Star channels had to air his programmes in Hindi to up his TRP.... Which is solid proof not only to the development of Hindi but also to the hold that Hindi has become favoured language all over the world. The identity and influence of Hindi has now peaked so much so that it has left all other languages far behind in terms of popularity and appeal. Today Hindi is synonymous with entertainment world over, which is why we see that majority of International channels viz Sony, Zee TV, Discovery Channel, and Cartoons are being aired in India and neighbouring countries in Hindi.

Indian cultural heritage and Hindi:

India's rich and varied cultural heritage is so exemplary that it is a class by itself and beyond and above all petty comparison. As you are aware Rig veda has found acceptance as world heritage and acclaim internationally so it is indeed no surprise that with the avid support of 175 nations the UN has declared 21st June as the "International Yoga Day", 10th January is being celebrated as "World Hindi Day" in many countries of the world. It is indeed a matter of pride and honour that the magnitude and appeal of India and Hindi is increasing steadfastly in the world arena.

Popularity of Hindi: Economic & Political influence:

Even though statistically Hindi is the numero uno language of the world. It is indeed disappointing that it does not find place in the authorized languages of the UN which is attributed to the fact that the influence of Hindi has not been directly evident in economic and political scenario of the country whereas Hindi has always indirectly been the foundation of India's economic and political power. Now things have changed for the better. Now Hindi is armed with the political power and popularity gleaned by direct

अतः इस परिदृश्य में हिन्दी की लोकप्रियता में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है।

विश्व में हिन्दी शिक्षण एवं प्रशिक्षण का प्रभाव :

विश्व में हिन्दी की लोकप्रियता को देखते हुए विश्व के 150 से अधिक देशों में हिन्दी शिक्षण एवं प्रशिक्षण के अनेक शिक्षण माध्यम शुरु हो गए हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि विश्व में हिन्दी के प्रति अधिक झुकाव है। हिन्दी अध्यापन; अनेक हिन्दी संघों, हिन्दी संस्थाओं द्वारा चलाया जा रहा है। केन्द्र सरकार द्वारा भी हिन्दी अध्ययन हेतु हिन्दी शिक्षण योजना आदि चलाई जा रही हैं। विश्व के अनेक विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा विश्व विद्यालयों में हिन्दी का अध्ययन-अध्यापन तेज़ी से चल रहा है। भारत में केन्द्र सरकार के प्रयासों व स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रयासों से हिन्दी सीखने वालों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। इसे निम्न लिखित तालिका से समझा जा सकता है:

क्षेत्र	कुल जन संख्या	हिन्दी जानने वाले	प्रतिशत
क - क्षेत्र (हिन्दी भाषी राज्य)	61,72,26,843	61,72,26,843	100 %
ख - क्षेत्र (हिन्दी और प्रांतीय भाषा का समान स्तर)	20,82,78,328	18,74,50,495	90.00 %
ग - क्षेत्र (हिन्दीतर भाषी राज्य)	44,86,85,821	20,74,54,095	46.24 %
कुल - संपूर्ण भारत	1,27,41,90,992	1,01,21,31,433	79.43 %
भारत को छोड़कर अन्य देश	5,94,64,09,008	28,64,86,562	4.81 %
विश्व की कुल जन संख्या	7,22,06,00,000	1,29,86,17,995	17.98 %
(पूर्णांकित)	7,22,06,00,000	1,30,00,00,000	18.00 %

स्रोत: डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल द्वारा किया गया शोध अध्ययन सन् 2015 (अनुमानित आँकड़े)

विस्तृत जानकारी के लिए अनुबंध-1 एवं 2 देखें ।

मंदारिन बनाम हिन्दी :

सम्पूर्ण विश्व में यह प्रचारित किया जाता है कि मंदारिन सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है जब कि सत्य यह है कि सम्पूर्ण विश्व में मंदारिन जानने वाले 2015 के आँकड़ों के अनुसार सिर्फ 1100 मिलियन हैं। चीन की सरकारी भाषा मंदारिन है तथा चीन में कुल जन संख्या का 70% भाग ही मंदारिन जानता है। चीन की वर्तमान जन संख्या 1360 मिलियन है । इसका अर्थ यह है कि चीन में मंदारिन जानने वाले केवल 950 मिलियन हैं व 150 मिलियन अन्य देशों में हैं। यह ध्यातव्य कि यह संख्या सन् 2012 में 1050 मिलियन थी। अतः इसमें 50 मिलियन की वृद्धि हुई है। हिन्दी की लोकप्रियता व इसके अग्रणी होने की स्थिति इससे भी आँकी जा सकती है कि वर्ष 2012 में इसे जानने वालों की संख्या 1200 मिलियन थी। यह 2015 में प्रचुर बढ़ोत्तरी से यह 1300 मिलियन हो गई है अर्थात मंदारिन से 200 मिलियन ज्यादा। अंग्रेजी को तो सभी स्त्रोतों से सभी बोलियों और

association with the economic and political scenario and is climbing the ladder of popularity quite quickly.

Impact of Hindi tutoring and training in the global context:

More than 150 nations have included Hindi in their curriculum which is another testament to the increased sway Hindi has on the global arena. Hindi training is being imparted by various Hindi Associations and Hindi Institutions, Central government is also imparting Hindi training through Hindi Teaching Scheme etc. Hindi is being taught in various Schools, Colleges and Universities world over. Even in India the number of people learning Hindi has been steadily increasing due to the untiring efforts of the Central Government and also voluntary social institutions which can be further understood from the data furnished herebelow:

Region	Total Population	Knowing Hindi	% knowing Hindi
Region A- (Hindi Knowing States)	61,72,26,843	61,72,26,843	100 %
Region –B (States having good knowledge of Hindi & their State Language)	20,82,78,328	18,74,50,495	90.00 %
Region – C (Non Hindi States)	44,86,85,821	20,74,54,095	46.24 %
Total- In India	1,27,41,90,992	1,01,21,31,433	79.43 %
Other countries (other than India)	5,94,64,09,008	28,64,86,562	4.81 %
Total Population of the world	7,22,06,00,000	1,29,86,17,995	17.98 %
Rounded off	7,22,06,00,000	1,30,00,00,000	18.00 %

Source: Research study by Dr Jayanti Prasad Nautiyal 2015 (Estimated Figures)

For further details please refer annexures 1 and 2

Mandarin Versus Hindi:

It has been widely propagated that Mandarin is the most spoken language in the world which is not true, as per 2015 statistics the number of people conversant with Mandarin is just 1100 million. Mandarin is the official Language of china and Mandarin is known by 70% of china's population. Present day China's total population is 1360 million, it means that in China only 950 Million know Mandarin rest 150 million people are in other countries of the world. It would be pertinent to note here that on 2012 this statistics was 1050 million, so we can safely say that there has been a rise of 50 million vis-à-vis 2012 data. Another resounding factor which heralds the popularity of Hindi over Mandarin is the fact that the number of people conversant with Hindi as on 2012 was 1200 million which with a substantial increase of 200 million has increased to 1300 million in the year 2015. The number of people conversant with English after

प्रवीणता के विभिन्न स्तरों को जोड़ने पर भी यह आँकड़ा अधिकतम 1000 मिलियन तक बडी मुश्किल से पहुँचता है।

हिन्दी के संबंध में एक साधारण सी गणना नीचे दी जा रही है। :

1.	भारत में हिन्दी जानने वाले	1012 मिलियन
2.	पाकिस्तान में हिन्दी जानने वाले	165 मिलियन
3.	बंगलादेश में हिन्दी जानने वाले	70 मिलियन
4.	नेपाल में हिन्दी जानने वाले	25 मिलियन
	4 राष्ट्रों में हिन्दी जानने वालों का योग	1272 मिलियन
5.	विश्व के अन्य राष्ट्रों में हिन्दी जानने वाले	28 मिलियन
	संपूर्ण विश्व में हिन्दी जानने वाले	1300 मिलियन

स्रोत: डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल द्वारा किया गया शोध अध्ययन सन् 2015 (अनुमानित आँकड़े)

युवा भारत की आत्मा और पहचान है हिन्दी :

आनेवाले समय में हमारा युवा भारत, विश्व की महाशक्ति बनने जा रहा है। इसलिए हिन्दी के प्रति विश्व स्तर पर लोकप्रियता में निरंतर बढ़ोत्तरी हो रही है। इस प्रवृत्ति से सहज ही यह अनुमान लगाया जा सकता है कि निकट भविष्य में हिन्दी को संयुक्त संघ की अधिकृत भाषा के रूप में भी महत्व मिलेगा व यह 'विश्व भाषा' के पद पर भी आसीन होगी। भारत में तो हर भारतीयों के दिल और आत्मा में इसको स्वीकार्यता मिल चुकी है। 'हिन्दी विरोध' बीते कल की बात हो चुकी है। समस्त दक्षिण भारत में हिन्दी धीरे-धीरे सम्पर्क भाषा का ध्वज धारण किए आगे बढ़ती जा रही है। यह आनेवाले समय का संकेत है। धार्मिक स्थलों, पर्यटन स्थलों पर तो हिन्दी पहले से ही लोक प्रिय थी। अब हिन्दी, उद्योग, व्यापार, शिक्षा एवं मनोरंजन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण स्थान ले चुकी है। भारत की युवा पीढ़ी की पसंदीदा भाषा हिन्दी ही है। आज भारत की युवा पीढ़ी भाषा के मामले में व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाती है। अतः यह दृष्टिकोण हिन्दी की लोकप्रियता बढ़ाने में और भी अधिक सहायक होगा।

संयुक्त राष्ट्र संघ की अधिकृत भाषाएँ :

संयुक्त राष्ट्र संघ के गठन के समय चीनी, अंग्रेजी, फ्रेंच, रूसी एवं स्पेनिश ही अधिकृत भाषाएँ थी। 18 दिसम्बर 1973 से इसमें अरबी भाषा भी जोड़ दी गई इस प्रकार संयुक्त राष्ट्र संघ में 6 अधिकृत भाषाएँ हो गई।

यह सबसे बड़े दुख की बात है कि विश्व के सबसे बड़े गणतंत्र की भाषा **हिन्दी** को संयुक्त राष्ट्र संघ में स्थान नहीं दिया गया। संयुक्त राष्ट्र संघ की अधिकृत भाषाओं पर एक नज़र डालें :

(संख्या मिलियन में)

क्रम सं.	भाषा	मातृ भाषा	अर्जित भाषा	कुल भाषा भाषी
1.	अरबी	235	225	460
2.	चीनी	950	150	1100
3.	अंग्रेजी	350	650	1000
4.	फ्रेंच	70	60	130
5.	रूसी	148	112	260
6.	स्पेनिश	332	63	395
	कुल	2035	1260	3345
हिन्दी की स्थिति				
	हिन्दी	619	681	1300

स्रोत: डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल द्वारा किया गया शोध अध्ययन सन् 2015 (अनुमानित आँकड़े)

clubbing all its dialects and different levels of proficiences does not exceed 1000 million.

A simple calculation regarding Hindi is given below:

1.	Hindi Knowing Population in India	1012 Million
2.	Hindi Knowing Population in Pakistan	165 Million
3.	Hindi Knowing Population in Bangladesh	70 Million
4.	Hindi Knowing Population in Nepal	25 Million
	Total Hindi Knowing Population in above 4 Nations	1272 Million
5.	Hindi Knowing Population in Other Countries	28 Million
	Hindi Knowing Population in the world	1300 Million

Source: Research study by Dr Jayanti Prasad Nautiyal 2015 (Estimated Figures)

Hindi is the soul and identity of our young India:

India is all poised to become the new super power and accordingly the popularity of Hindi is gathering momentum consistently. This trend leads us to believe that not only will Hindi be recognized as one of the authorised languages of the UN but will also don the mantle of "Global Language" in the near future. Hindi has found acceptance in the heart and soul of each Indian. Opposition of Hindi is a thing of the past now. Hindi is slowly donning the mantle of link language in Southern India...which is actually an indication of things to come. Now Hindi is weaving its magic on the industrial, business, educational and entertainment sectors. Needless to say it has always found acceptance and popularity in religious places and tourism. Hindi has become synonymous with "youngistan" (Indian Youth). The practical approach of the youngistan towards languages will further help in popularizing Hindi.

Authorised languages of the UN:

English, Chinese, French, Russian and Spanish were the authorized languages of the UN at the time of its constitution. Arabic was included on 18 Dec 1973 and the total number of authorized languages of UN increased to 6.

It is very disheartening to note that Hindi, the language of the largest republic does not find place in the authorized languages of the UN. The details of the authorized languages are furnished here-below

(Figures in Millions)

Sr. No.	Language	Mother tongue	Acquired Language	Total Number of speakers
1.	Arabic	235	225	460
2.	Mandarin	950	150	1100
3.	English	350	650	1000
4.	French	70	60	130
5.	Russian	148	112	260
6.	Spanish	332	63	395
	Total	2035	1260	3345
Status of Hindi				
	Hindi	619	681	1300

Source: Research study by Dr Jayanti Prasad Nautiyal 2015 (Estimated Figures)

संयुक्त राष्ट्र संघ की अधिकृत भाषाओं का औचित्य :

इन भाषाओं को अधिकृत किए जाने के पीछे तर्क यह है कि इनको प्रथम भाषा (मातृ भाषा) द्वितीय भाषा के रूप में बोलने वालों की संख्या 3.34 बिलियन है। यह संपूर्ण विश्व की जन संख्या का लगभग आधा हिस्सा है तथा संसार की आधे से अधिक राष्ट्रों में ये भाषाएँ प्रचलित हैं। यदि इन भाषाओं में हिन्दी भी जोड़ दी जाए तो यह संख्या 4.64 बिलियन हो जाएगी तथा यह विश्व की सम्पूर्ण आबादी के 64.26 % भाग का प्रतिनिधित्व करेगी। विश्व की प्रमुख भाषाओं और भाषा भाषियों की संख्या निम्नवत्त है:

Justification of authorised languages of the UN

The argument behind these languages being the authorized languages of UN is that the number of people conversant with these languages (either as the mother tongue or the second language) amounts to 3.34 Billion. This is in-fact half of the total world population and that these languages find place in more than half of the nations in the world. Inclusion of Hindi increases this data to 4.64 billion which will represent 64.26% of the total world population. The major languages of the world and their speakers are as under:

विश्व की प्रमुख भाषाएँ (संख्या मिलियन में)

Major languages of the world (Figures in Millions)

रैंक Rank	भाषा Language		भाषा-भाषी Speakers	विश्व जन संख्या का % % of world population
1	हिन्दी	Hindi	1300	18.00
2	चीनी	Mandarin	1100	15.23
3	अंग्रेजी	English	1000	13.85
4	अरबी	Arabic	460	6.37
5	स्पेनी	Spanish	395	5.47
6	रुसी	Russian	260	3.60
7	बंगाली	Bangla	256	3.54
8	पुर्तगाली	Portuguese	200	2.77
9	मलय	Malay	190	2.63
10	फ्रैंच	French	130	1.80
11	जापानी	Japanese	126	1.74
12	जर्मन	German	120	1.66
13	पंजाबी	Punjabi	112	1.55
14	मराठी	Marathi	110	1.55
15	तेलुगु	Telugu	85	1.17
16	तमिल	Tamil	83	1.14
17	वू	Wu शंघाई	80	1.10
18	वियतनामी	Vietnamese	73	1.01
19	कोरियाई	Korean	70	0.96
20	इटैलियन	Italian	68	0.94
21	थाई	Thai	66	0.91
22	कैंटोनी	Cantonese	60	0.83
23	तुर्की	Turkish	55	0.76
24	गुजराती	Gujarati	52	0.72
25	कन्नड	Kannada	50	0.69
26	हौसा	Hausa (Afro-Asiatic)	50	0.69
27	मिननान	Min Nan	48	0.66
28	पोलिश	Polish	45	0.62
29	फारसी	Persian	44	0.60
30	भोजपुरी	Bhojpuri	44	0.60
31	बर्मी	Burmese	43	0.59
32	अवधी	Awadhi	42	0.58
33	हौसा	Hausa (Afro)	42	0.58
34	यूक्रेनी	Ukrainian	40	0.55
35	जियांग	Xiang	39	0.54
36	मलयालम	Malayalam	38	0.52
37	उड़िया	Oriya	36	0.49
38	मैथिली	Maithili	36	0.49
39	अजरबेजानी	Azerbaisane	32	0.44
40	डच	Dutch	30	0.41
41	फिलिपिनो	Philipino	29	0.40
42	रोमेनियन	Romanian	28	0.38
43	राजस्थानी	Rajasthani	28	0.38
44	गन	Gan (Hakka)	26	0.36
45	सिंधी	Sindhi	25	0.34
46	लाओ	Lao	25	0.34
47	उजबेक	Uzbek	24	0.33
48	योरूबा	Yoruba	24	0.33
49	बर्बेर	Berber	23	0.31
50	छत्तीसगढी	Chhatisgarhi	22	0.30
51	असमी	Assamese	22	0.30
52	अम्हारी	Amharic	22	0.30
53	सिंहली	Sinhalese	20	0.27
54	ओरमो	Oromo	20	0.27
55	सर्ब-क्रो	Serbo-Croation	19	0.26
56	कुर्द	Kurdish	19	0.26
57	मलागासी	Malagasi	19	0.26
58	सेबुआनो	Cabuano	18	0.24
59	रंगपुरी	Rangpuri	18	0.24
60	खमेर	Khmer	17	0.23

स्रोत : डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल द्वारा किया गया शोध अध्ययन सन् 2015 (अनुमानित आँकड़े)

Source: Research study by Dr Jayanti Prasad Nautiyal 2015 (Estimated Figures)

निष्कर्ष:

अब बारी हिन्दी की है। विश्व के सबसे बड़े गणतंत्र की भाषा को संयुक्त राष्ट्र संघ की अधिकृत भाषा का दर्जा मिलना ही चाहिए।

Conclusion:

Now it is Hindi's turn. The language of the world's largest republic should find place among the authorized languages of the UN.

अनुबंध -I

भारत में हिन्दी जानने वालों की संख्या

संशोधित राजभाषा नियम के अनुसार 'क' क्षेत्र

क्र.स.	राज्य/संघ शासित क्षेत्र	कुल जन संख्या	हिन्दी जानने वाले	हिन्दी जानने वालों का %
1	अंडमान एवं निकोबार	3,82,783	3,82,783	100
2	बिहार	10,97,42,591	10,97,42,591	100
3	छत्तीसगढ़	2,65,08,463	2,65,08,463	100
4	दिल्ली	2,67,50,767	2,67,50,767	100
5	हरियाणा	2,64,44,965	2,64,44,965	100
6	हिमाचल प्रदेश	70,35,401	70,35,401	100
7	झारखंड	3,33,13,459	3,33,13,459	100
8	मध्य प्रदेश	7,60,70,288	7,60,70,288	100
9	राजस्थान	7,20,55,927	7,20,55,927	100
10	उत्तराखंड	1,00,53,951	1,00,53,951	100
11	उत्तर प्रदेश	22,88,68,248	22,88,68,248	100
	कुल : 'क' क्षेत्र	**61,72,26,843**	**61,72,26,843**	**100%**

संशोधित राजभाषा नियम के अनुसार 'ख' क्षेत्र

12	चंडीगढ़	10,95,994	9,86,394	90
13	दादर एवं नगर हवेली	3,77,138	3,39,424	90
14	दमण एवं दीव	2,69,631	2,42,668	90
15	गुजरात	6,30,89,998	5,67,80,998	90
16	महाराष्ट्र	11,66,33,162	10,49,69,846	90
17	पंजाब	2,68,12,405	2,41,31,165	90
	कुल : 'ख' क्षेत्र	**20,82,78,328**	**18,74,50,495**	**90%**

संशोधित राजभाषा नियम के अनुसार 'ग' क्षेत्र

18	आन्ध्र प्रदेश	8,80,98,809	4,40,49,405	50
19	अरुणाचल प्रदेश	14,44,741	5,05,659	35
20	असम	2,98,27,735	1,19,31,094	40
21	गोवा	15,20,609	11,40,457	75
22	जम्मू एवं कश्मीर	1,30,76,372	1,11,14,916	85
23	कर्नाटक	6,08,37,239	3,04,18,620	50
24	केरल	3,48,57,060	1,56,85,677	45
25	लक्षद्वीप	66,006	19,802	30
26	मणिपुर	28,30,843	12,73,879	45
27	मेघालय	30,82,207	9,24,662	30
28	मिजोरम	11,40,564	3,42,169	30
29	नागालैंड	20,01,214	4,00,243	20
30	उड़ीसा	3,99,34,980	2,19,64,239	55
31	पांडिचेरी	12,44,242,	2,48,848	20
32	सिक्किम	6,33,072	3,79,843	60
33	तमिलनाडु	6,98,45,516	1,39,69,103	20
34	त्रिपुरा	037,96,228	11,38,868	30
35	पश्चिम बंगाल	9,44,48,384	5,19,46,611	55
	कुल : 'ग' क्षेत्र	**44,86,85,821**	**20,74,54,095**	**46.24**
	कुल : क + ख + ग	**1,27,41,90,992**	**1,01,21,31,433**	**79.43**

स्रोत : डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल द्वारा किया गया शोध अध्ययन सन् 2015 (अनुमानित आँकड़े)

Annexure-I

Number of People who know Hindi in India

'A' Region as per Ammended OL Rules

S.No.	State/ UT	Total Population	Knowing Hindi	% Knowing Hindi
1	Andaman & Nicobar Islands	3,82,783	3,82,783	100
2	Bihar	10,97,42,591	10,97,42,591	100
3	Chhattisgarh	2,65,08,463	2,65,08,463	100
4	Delhi	2,67,50,767	2,67,50,767	100
5	Haryana	2,64,44,965	2,64,44,965	100
6	Himachal Pradesh	70,35,401	70,35,401	100
7	Jharkhand	3,33,13,459	3,33,13,459	100
8	Madhya Pradesh	7,60,70,288	7,60,70,288	100
9	Rajasthan	7,20,55,927	7,20,55,927	100
10	Uttarakhand	1,00,53,951	1,00,53,951	100
11	Uttar Pradesh	22,88,68,248	22,88,68,248	100
	Total : "A" Region	**61,72,26,843**	**61,72,26,843**	**100%**

'B' Region as per Ammended OL Rules

12	Chandigarh	10,95,994	9,86,394	90
13	Dadra & Nagar Haveli	3,77,138	3,39,424	90
14	Daman & Diu	2,69,631	2,42,668	90
15	Gujarat	6,30,89,998	5,67,80,998	90
16	Maharashtra	11,66,33,162	10,49,69,846	90
17	Punjab	2,68,12,405	2,41,31,165	90
	Total : "B" Region	**20,82,78,328**	**18,74,50,495**	**90%**

'C' Region as per Ammended OL Rules

18	Andhra Pradesh	8,80,98,809	4,40,49,405	50
19	Arunachal Pradesh	14,44,741	5,05,659	35
20	Assam	2,98,27,735	1,19,31,094	40
21	Goa	15,20,609	11,40,457	75
22	Jammu & Kashmir	1,30,76,372	1,11,14,916	85
23	Karnataka	6,08,37,239	3,04,18,620	50
24	Kerala	3,48,57,060	1,56,85,677	45
25	Lakshadweep	66,006	19,802	30
26	Manipur	28,30,843	12,73,879	45
27	Meghalaya	30,82,207	9,24,662	30
28	Mizoram	11,40,564	3,42,169	30
29	Nagaland	20,01,214	4,00,243	20
30	Orissa	3,99,34,980	2,19,64,239	55
31	Pondicherry	12,44,242,	2,48,848	20
32	Sikkim	6,33,072	3,79,843	60
33	Tamilnadu	6,98,45,516	1,39,69,103	20
34	Tripura	037,96,228	11,38,868	30
35	West Bengal	9,44,48,384	5,19,46,611	55
	Total : "C" Region	**44,86,85,821**	**20,74,54,095**	**46.24**
	Total : A + B + C	**1,27,41,90,992**	**1,01,21,31,433**	**79.43**

Source: Research study by Dr Jayanti Prasad Nautiyal 2015 (Estimated Figures)

विश्व में हिन्दी जानने वालों की संख्या

क्रम सं	देश	हिंदी जानने वाले
1	भारत	1012131433
2	पाकिस्तान	165112311
3	बांग्लादेश	70933178
4	नेपाल	25234117
5	म्यांमार	3221134
6	मलेशिया	2711212
7	यूनाईटेड किंगडम	2532113
8	अमेरिका	2212415
9	दक्षिण अफ्रीका	1512111
10	सऊदी अरब	1503216
11	संयुक्त अरब अमीरात	1431212
12	कनाडा	1254123
13	मॉरिशस	887634
14	भूटान	864317
15	फीजी	532126
16	त्रिनिडाड और टोबैगो	484311
17	कुवैत	475166
18	ओमान	465336
19	गुयाना	425125
20	सिंगापुर	313779
21	कतार	308083
22	सूरीनाम	267244
23	नीदरलैंड	265343
24	बहरीन	264312
25	थाइलैंड	174313
26	केनिया	159134
27	ऑस्ट्रेलिया	121677
28	यमन	118116
29	फ़िलीपीन	109307
30	जर्मनी	102010
31	इटली	101301
32	इंडोनेशिया	101122
33	रीयूनियन (फ्रांस)	101110
34	नाइजीरिया	98411
35	श्रीलंका	96333
36	न्यूजीलैंड	92234
37	मैक्सिको	90012

क्रम सं	देश	हिंदी जानने वाले
38	तंज़ानिया	90137
39	जमैका	83100
40	इस्राइल	75016
41	फ्रांस	70180
42	पुर्तगाल	62077
43	हांगकांग	48069
44	अफ़गानिस्तान	47170
45	स्पेन	43103
46	मोज़ांबीक	42210
47	रूस	37310
48	लीबिया	31213
49	मैडागास्कर	29121
50	युगांडा	28226
51	बोट्सवाना	26670
52	चीन	25555
53	पोलैंड	24666
54	अर्जेंटीना	23522
55	ज़ाम्बिया	22370
56	जापान	21001
57	स्विट्ज़रलैंड	19064
58	स्वीडेन	18620
59	नॉर्वे	17030
60	कोरिया	16300
61	ऑस्ट्रिया	14404
62	सेशेल्स	12711
63	लेबनान	12572
64	बेल्जियम	12639
65	ब्रुनेई	11505
66	मालदीव	10600
67	ग्रीस	10313
68	यूक्रेन	9108
69	फिनलैंड	8562
70	इक्काडोर	7571
71	अंगोला	7299
72	घाना	6567
73	निकारागुआ	6052
74	विएतनाम	6660

क्रम सं	देश	हिंदी जानने वाले
75	वैनेज़ुएला	5976
76	सूडान	5832
77	सेंट लूसिया	5759
78	प्युरटो रिको	5788
79	जॉर्डन	5582
80	पनामा	5472
81	इजिप्ट	5399
82	साइप्रस	5087
83	दक्षिण कोरिया	3320
84	डेन्मार्क	3046
86	ब्राज़ील	2579
87	ताइवान	2525
88	सीरिया	2430
89	आयरलैंड	2306
90	ज़िंबाब्वे	2223
91	चेक गणतंत्र	2471
92	कज़ाकिस्तान	1728
93	सीरा लियोन	1510
94	इथिओपिया	1460
95	वर्जिनिया	1482
96	उज़बेकिस्तान	1444
97	ईरान	1362
98	चिली	1330
99	कोंगो	1256
100	बंगलादेशी शरणार्थी	373214
101	तिब्बती शरणार्थी	121690
102	म्यांमार व अफगान शरणार्थी	101000
103	शेष 135 देशों में	100000
	कुल हिन्दी जानने वाले	**1298617995**
	(पूर्णांकित)	**1300000000**
	विश्व की जन संख्या	**7220600000**
	हिन्दी जानने वालों का %	**18.00**

स्रोत : डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल द्वारा किया गया शोध अध्ययन सन् 2015 (अनुमानित आँकड़े)

Number of people who know Hindi in the world

Sl. No.	Country	Hindi Knowing population
1	India	1012131433
2	Pakistan	165112311
3	Bangladesh	70933178
4	Nepal	25234117
5	Myanmar	3221134
6	Malaysia	2711212
7	U.K.	2532113
8	America	2212415
9	South Africa	1512111
10	Saudi Arabia	1503216
11	United Arab Emirates	1431212
12	Canada	1254123
13	Mauritius	887634
14	Bhutan	864317
15	Fiji	532126
16	Trinidad & Tobago	484311
17	Kuwait	475166
18	Oman	465336
19	Guyana	425125
20	Singapore	313779
21	Qatar	308083
22	Surinam	267244
23	Netherland	265343
24	Bahrain	264312
25	Thailand	174313
26	Keenya	159134
27	Australia	121677
28	Yemen	118116
29	Philippines	109307
30	Germany	102010
31	Italy	101301
32	Indonesia	101122
33	Reunion (France)	101110
34	Nigeria	98411
35	Sri Lanka	96333
36	New Zealand	92234
37	Mexico	90012
38	Tanzania	90137
39	Jamaica	83100
40	Israel	75016
41	France	70180
42	Portugal	62077
43	Hong Kong	48069
44	Afghanistan	47170
45	Spain	43103
46	Mozambique	42210
47	Russia	37310
48	Libya	31213
49	Madagascar	29121
50	Uganda	28226
51	Botswana	26670
52	China	25555
53	Polland	24666
54	Argentina	23522
55	Zambia	22370
56	Japan	21001
57	Switzerland	19064
58	Sweden	18620
59	Norway	17030
60	Korea	16300
61	Austria	14404
62	Seychelles	12711
63	Lebanon	12572
64	Belgium	12639
65	Brunei	11505
66	Maldives	10600
67	Greece	10313
68	Ukraine	9108
69	Finland	8562
70	Ecuadaor	7571
71	Angola	7299
72	Ghana	6567
73	Nicaraua	6052
74	Vietnam	6660
75	Venezuela	5976
76	Sudan	5832
77	Saint Lucia	5759
78	Puerto Rico	5788
79	Jordan	5582
80	Panama	5472
81	Egypt	5399
82	Cyprus	5087
83	South Korea	3320
84	Denmark	3046
86	Brazil	2579
87	Taiwan	2525
88	Syria	2430
89	Ireland	2306
90	Zimbabwe	2223
91	Czech Republic	2471
92	Kazakhstan	1728
93	Seira Leone	1510
94	Ethiopia	1460
95	Virginia	1482
96	Uzbekistan	1444
97	Iran	1362
98	Chile	1330
99	Congo	1256
100	Bangladeshi Refugees	373214
101	Tibet Refugees	121690
102	Myamar & Afghan Refugees	101000
103	Remaining 135 countries	100000
	Total Hindi Knowing	**1298617995**
	(rounded off)	**1300000000**
	World Total Population	**7220600000**
	% Knowing Hindi	**18.00**

Source: Research study by Dr Jayanti Prasad Nautiyal 2015 (Estimated Figures)

डॉ जे.पी. नौटियाल का संक्षिप्त जीवन वृत्त

तथ्य एवं आंकडे

डॉ जयन्ती प्रसाद नौटियाल
उप महा प्रबंधक
कार्पोरेशन बैंक, कार्पोरेट कार्यालय
मंगलूर - 575 001 (कर्नाटक राज्य)
वेबसाईट: www.drjpnautiyal.com
ई-मेल: dr.nautiyaljp@gmail.com, jpn@ corpbank.co.in

कुल योग्यताएँ (शैक्षिक / व्यावसायिक / विविध)	60	60 डिग्री, डिप्लोमा एवं प्रमाण-पत्र प्राप्त मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों / बोर्डों /संस्थानों से अर्जित (कुल 252 प्रश्न पत्र उत्तीर्ण / पूर्ण किए)
शैक्षिक योग्यता	11	11 डिग्री/डिप्लोमाः इनमें एम.ए हिंदी (स्वर्णपदक), एम.ए (अंग्रेजी), पी.एच.डी (भाषा विज्ञान), डी.लिट (डॉक्टरेट के उपरांत शोध द्वारा), एल.एल.बी आदि शामिल हैं।
व्यावसायिक योग्यता	26	26 डिग्री/डिप्लोमाः इनमें एम.बी.ए (बैंकिंग एवं वित्त), सी.ए.आइ.आइ.बी, डी.बी.एम, सी.पी.डी आदि शामिल हैं।
विविध प्रशिक्षण	23	23 प्रशिक्षण प्रमाण-पत्रः इन प्रशिक्षणों में विभिन्न प्रकार के 68 विषयों पर प्रशिक्षण लिया व प्रमाण -पत्र प्राप्त।
अनुभव	28	28 विभागों/संगठनों में 33 पदों पर सेवा जिनमें पत्रकार, चित्रकार, सम्पादक, रीडर आदि शामिल है तथा कार्पोरेशन बैंक (राष्ट्रीयकृत बैंक) में राजभाषा प्रभाग, क्रेडिट कार्ड प्रभाग, शाखा परिचालन, विपणन, एसोशिएट फैकल्टी, चैनल माइग्रेशन, बैंकाश्यूरैन्स, सरकारी कारोबार, निक्षेपी सेवाएँ, पूँजी बाजार सेवाएँ, डिबेंचर ट्रस्टी सेवाएँ, केन्द्रीकृत पेंशन प्रसंस्करण, नई पेंशन योजना, उगाही एवं भुगतान सेवा जैसे प्रभागों में विभिन्न पदों एवं उप अंचल प्रमुख जैसे पदों पर कार्य शामिल हैं। संप्रति कार्पोरेशन बैंक के प्रधान कार्यालय में उप महा प्रबंधक (स्वतंत्र प्रभार) पद पर सेवारत हैं।
विशिष्ट कार्य	51	51 प्रकार के विशिष्ट दायित्वों का निर्वाह जिनमें पी.एच.डी के परीक्षक, शोध निर्देशक, बोर्ड आफ स्टडीज़ के सदस्य, शिक्षा सलाहकार, बैंकिंग शब्दावली विशेषज्ञ, मुख्य परीक्षा प्रशासक, चयन बोर्ड के सदस्य, मुख्य बीमा कार्यपालक जैसे कार्य शामिल हैं।
साहित्यिक योगदान	1530	55 पुस्तकें प्रकाशित (इनमें अनेक पुस्तकें विश्वविद्यालयों की पाठ्य पुस्तकें/संदर्भ ग्रंथ हैं) (इनमें 30 पुस्तकें स्वयं लिखी व 25 संयुक्त लेखन) 93 पुस्तकों/प्रक्रियात्मक साहित्य का अनुवाद/संयुक्त अनुवाद 13 राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर की पत्रिकाओं के अनेक अंकों का सम्पादन 76 राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय संगोष्ठियों में शोध पत्र/आलेख प्रस्तुत (यू.जी.सी/सरकार द्वारा अनुमोदित) 73 कार्यक्रम आकाशवाणी पणजी(गोवा) तथा मंगलूर से प्रसारित 1220लेख विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित 1530 कुल साहित्यिक योगदान
समितियों में प्रतिनिधित्व	82	विविध विषयों पर राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय शीर्ष समितियों में विभिन्न भूमिकाओं और दायित्वों का निर्वाह, 82 समितियों में प्रतिनिधित्व किया।
सम्मान/पुरस्कार	57	हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार व साहित्यिक योगदान के लिए भारत सरकार एवं प्रतिष्ठित संस्थाओं से 3 अन्तर्राष्ट्रीय 42 राष्ट्रीय तथा 12 राज्य स्तरीय कुल 57 पुरस्कार/सम्मान प्राप्त
प्रशस्ति-पत्र	40	व्यावसायिक दक्षता एवं उत्कृष्ट साहित्यिक योगदान के लिए 40 प्रशस्ति-पत्र (Appreciation Letters) प्राप्त
सम्प्रति		डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल, उप महा प्रबंधक कार्पोरेशन बैंक (भारत सरकार का अग्रणी उद्यम) कार्पोरेट कार्यालय,पांडेश्वर, मंगलूर, पिन - 575001 कर्नाटक राज्य, भारत, मोबाइल: 9900068722 ई-मेल: dr.nautiyaljp@gmail.com, jpn@corpbank.co.in

Brief Bio-data of Dr. J P Nautiyal
The Facts & Figures

Dr Jayanti Prasad Nautiyal
Deputy General Manager
Corporation Bank, Corporate Office
Mangalore - 575001, Karnataka
Website: www.drjpnautiyal.com
E-mail: dr.nautiyaljp@gmail.com, jpn@corpbank.co.in

Total Number of Degree, Diploma & Certificates acquired :	60	60 Degree, Diploma & Certificate acquired from recognized Universities / Boards / Institutions. Total 252 Paper Passed / Completed.
Educational Qualifications:	11	11 Degree/Diplomas (which includes, M.A Hindi (Gold Medalist, 1st Rank in University), M.A. English, Ph.D (Linguistics), D. Lit. (Through Post Doctoral Research), L.L.B etc.
Professional Qualifications:	26	26 Degree/Diplomas (which includes, M B A in Banking & Finance, CAIIB, CPD, DBM) etc.
Training Passed/ Completed:	23	23 Professional / Skill Development Training Certificates acquired from Reputed & Recognised Institutions/Organisations (Studied 68 subjects)
Service Experience:	28	In 28 Organisations 33 Posts held which include Artist, Reader, Editor, Journalist. Presently working as Deputy General Manager in Corporation Bank (A Govt. of India Enterprise) served in various Divisions viz., Official Language Division, Credit Card Division, Branch Operation, Marketing, Associate Faculty, Channel Migration, Bancassurance, Government Business, Depository Service, Capital Market Services, Debenture Trustee Services, Central Pension Processing, New Pension Schemes and Collection and Payment Services, Deputy Zonal Head. Currently serving in Corporation Bank Head Office as Deputy General Manager (Independent Charge)
Academic & Special Assignments:	51	51 various assignments handled like Research Guide, Examiner for Ph.D. Member-Board of Studies, Expert Banking Terminology, Chief Test Administrator etc.
Achievement in Literary Field:	1530	55 Books Published on various subjects/Topics (30+25 jointly) 93 Books & procedural Literature Translated & Published (Jointly) 13 National & State Level Magazines – Edited several Issues 76 Research Papers/Monographs Presented at National/State Level Seminars (UGC Approved) 73 Educative Lessons/Programmes were broadcast by All India Radio 1220 Articles Published in Various magazines 1530 Total Literary Contributions
Representation in Committees	82	Represented 82 National and State level Apex committees on various fields and discharged different roles and responsibilities.
Awards/Honours/Prizes	57	57 Awards / Honours / Prizes received for Literary activities (3 International 42 National level & 12 State level awards/honour/prizes)
Appreciation Letters	40	40 Appreciation Letters received for Professional excellence
Present Position		Dr. J P Nautiyal, Deputy General Manager Corporation Bank, (A Government of India Enterprise) Corporate office, Pandeshwar, Mangalore, Pin 575 001 Karnataka State, India, Mobile: 9900068722 E-mail: dr.nautiyaljp@gmail.com, jpn@corpbank.co.in